सूरः नबा की रफ़अत

इस सूरः को मोसिरात और तसाअलून भी कहते है। इमाम जाफ़र सादिक़ अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं कि जो शख़्स इस सूरः को पाबन्दी से हर रोज़ पढ़ेगा उसको उसी साल बैतुल्लाह का शरफ़ हासिल होगा।

सूरः नबा

बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम
इबतिदा अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान
और निहायत रहम करने वाला है।

अ़म-म य-त-साअलून०
यह लोग आपस में किस चीज़ का हाल
अ़निन-न-ब इल अ़जीम०
पूछते हैं, एक बड़ी ख़बर का हाल, जिसमें
अल्लज़ी हुम फ़ीहि मुख़्तलि
लोग इख़्तेलाफ़ कर रहे हैं, देखो उन्हें
फ़ून० कल्ला स-यअ़लमू-न
अंक़रीब ही मालूम हो जायेगा, फिर उन्हें

सूरः नबा

सुम-म कल्ला स-यअ़ल-मून०
अंक़रीब ही ज़रूर मालूम हो जायेगा, क्या
अलम् नज्अ़लिल अर-ज़
हमने ज़मीन को बिछौना और पहाड़ों को
मिहादौं व वल जिबा-ल
ज़मीन पर मीख़ें नहीं बनाया, और हमने तुम
औतादौं व ख़ालक़्नाकुम
लोगों को जोड़ा जोड़ा पैदा किया, और
अज़्वाजा० व ज-अ़ल्ना नौम-कुम
तुम्हारी नींद को आराम (का बाइस) क़रार
सुबाता० व जअल्नल्लै-ल
दिया, और रात को पर्दा बनाया और हम
लिबासा व जअ़ल्नन्नहा-र
ही ने दिन को (कस्बे) मआश (का वक़्त)
मआ़शा० व बनैना फ़ौक़कुम
बनाया, और तुम्हारे ऊपर सात मज़बूत
सब्अ़न शिदादा० व ज-अ़ल्ना
(आसमान) बनाये और हम ही ने (सूरज)
सिराजौंव वह्हाजा० व अंज़ल्ना
को रौशन चराग़ बनाया, ओर हम ही ने

सूरः नबा

मिनल मुअ़सिराति माअन
बादलों से मोसलाधार पानी बरसाया, ताकि
स़ज्जाजा० लिनुख़्रि-ज बिहि
उसके ज़रिये से दाने और सब्ज़ी, और घने
ह़ब्बौंव व नबाता० व जन्नातिन
घने बाग़ पैदा करें, बेशक फ़ैस्ले का दिन
अल्फ़ाफ़ा० इन-न यौमल
मुक़र्रर है, जिस दिन सूर फूंका जायेगा और
फ़स्लि का-न मीक़ाता० यौ-म
तुम लोग गिरोह गिरोह हाज़िर होगे, और
युंफ़ख़ु फ़िस्सूरि फ़-तअतू-न
आसमान खोल दिये जायेंगे तो (इस में)
अफ़्वाजा० व फ़ुतिहतिस्समाअु
दरवाज़ें हो जायेंगे, और पहाड़ (अपनी
फ़-कानत अब्वाबा० व
जगह से) चलाये जायें तो रेत होकर रह
सुय्यिरतिल जिबालु फ़-कानत
जायेंगे, बेशक जहन्नम घात में है, शरकशों
सराबा० इन-न ज-हन-न-म कानत
का वहीं ठिकाना है, इसमें मुद्दतों पड़े

मिरसादा० लित्ताग़ी-न मआबा०
झींकते रहेंगे, न वहां ठण्डक का मज़ा
लाबिसी़-न फ़ीहा अह़क़ाबा०
चखेंगे, और खोलते हुए पानी और बहती
ला यज़ूक़ू-न फ़ीहा बर्दौंव
हुई पीप के सिवा कुछ पीने को मिलेगा, यह
वला शराबा० इल्ला ह़मीमौंव
उनकी कारिस्तानियों का पूरा पूरा बदला है,
व ग़स़्साक़ा० जज़ाअौंव
बेशक यह लोग आख़िरत के हिसाब की
विफ़ाक़ा० इन्नहुम कानू ला
उम्मीद ही न रखते थे, और उन लोगों ने
यरजू-न हिसाबा० व कज़्ज़बू
हमारी आयात को बुरी तरह झुठलाया, और
बिआयातिना किज़्ज़ाबा० व
हम ने हर चीज़ को लिखकर मज़बूत कर
कुल-ल शैइन अह़सैनाहु
रखा है, तो अब तुम मज़ा चख्खो कि हम
किताबा० फ़-ज़ूक़ू फलन
तो तुम पर अज़ाब ही बढ़ाते जायेंगे, बेशक

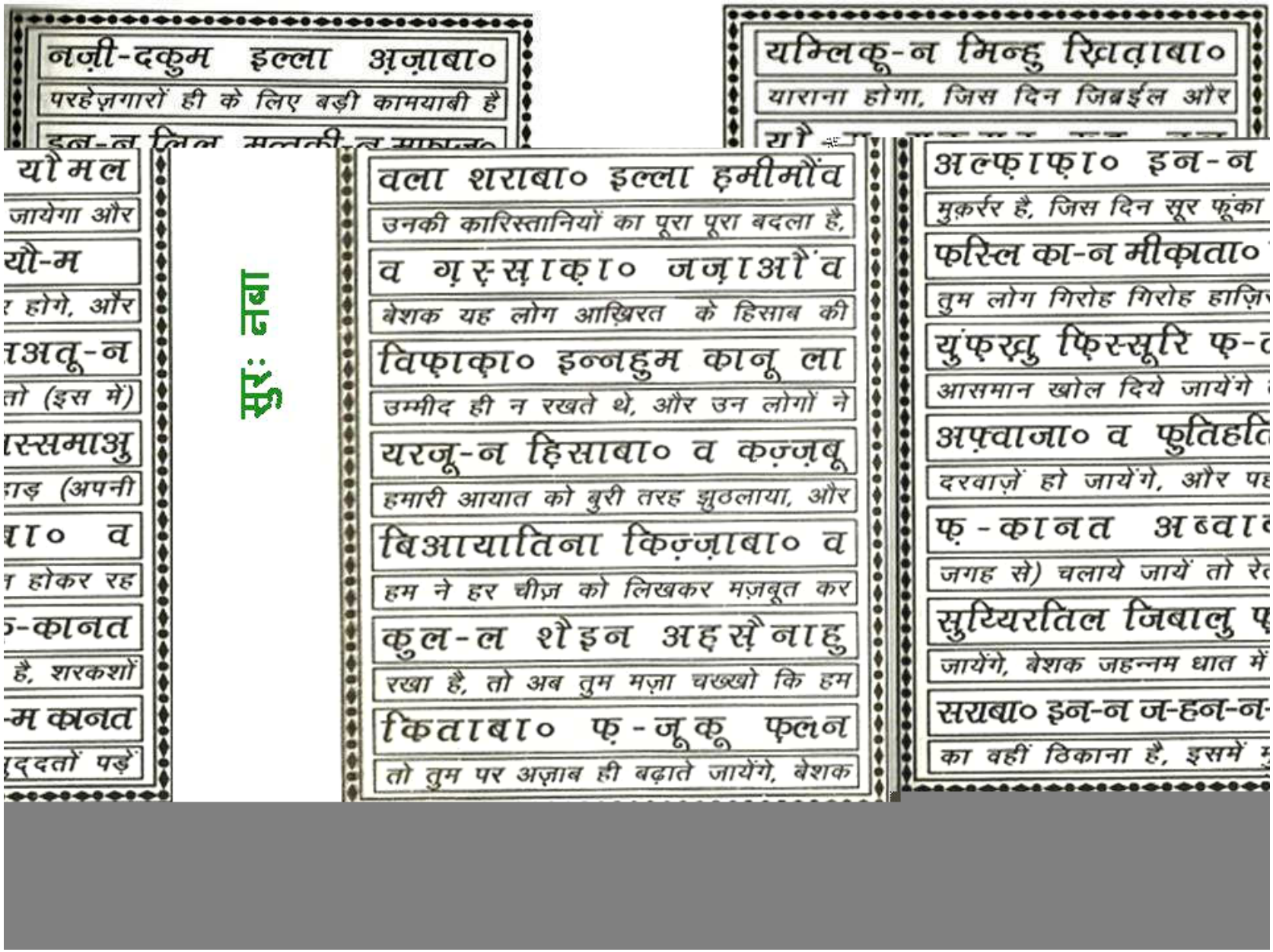

नज़ी-दकुम इल्ला अ़ज़ाबा०
परहेज़गारों ही के लिए बड़ी कामयाबी है

यौमल
जायेगा और
यौ-म
र होगे, और
ाअतू-न
तो (इस में)
स्समाउ
ाड़ (अपनी
ा० व
होकर रह
-कानत
है, शरकशों
-म कानत
ुद्दतों पड़े

सूरः नबा

यम्लिकू-न मिन्हु ख़िताबा०
याराना होगा, जिस दिन जिब्रईल और

वला शराबा० इल्ला हमीमौंव
उनकी कारिस्तानियों का पूरा पूरा बदला है,
व ग़स्साक़ा० जज़ाअौंव
बेशक यह लोग आख़िरत के हिसाब की
विफ़ाक़ा० इन्नहुम कानू ला
उम्मीद ही न रखते थे, और उन लोगों ने
यरजू-न हिसाबा० व कज़्ज़बू
हमारी आयात को बुरी तरह झुठलाया, और
बिआयातिना किज़्ज़ाबा० व
हम ने हर चीज़ को लिखकर मज़बूत कर
कुल-ल शैइन अहसैनाहु
रखा है, तो अब तुम मज़ा चख्खो कि हम
किताबा० फ़-ज़ूकू फ़लन
तो तुम पर अज़ाब ही बढ़ाते जायेंगे, बेशक

अल्फ़ाफ़ा० इन-न
मुक़र्रर है, जिस दिन सूर फूंका
फ़स्लि का-न मीक़ाता०
तुम लोग गिरोह गिरोह हाज़ि
युंफ़खु फ़िस्सूरि फ़-त
आसमान खोल दिये जायेंगे
अफ़्वाजा० व फ़ुतिहति
दरवाज़े हो जायेंगे, और पह
फ़-कानत अब्वा
जगह से) चलाये जायें तो रे
सुय्यिरतिल जिबालु फ़
जायेंगे, बेशक जहन्नम घात में
सराबा० इन-न ज-हन-न-
का वहीं ठिकाना है, इसमें